

चतुर्थः पाठः



### विभक्तीनां प्रयोगः

#### प्रथमा

कुलं शीलं च सत्यं च प्रज्ञा तेजो धृतिर्बलम्।

गौरवं प्रत्ययः स्नेहो, दारिद्र्येण विनश्यति॥

#### प्रथमा-द्वितीया

गुणो भूषयते रूपं शीलं भूषयते कुलम्।

सिद्धिर्भूषयते विद्यां भोगो भूषयते धनम्॥

#### प्रथमा-तृतीया

मृगाः मृगैः साकमनुव्रजन्ति, गावश्च गोभिस्तुरगास्तुरङ्गैः।

मूर्खाश्च मूर्खैः सुधियः सुधीभिः, समान-शील-व्यसनेषु सख्यम्॥

## **चतुर्थी-प्रथमा**

दानाय लक्ष्मीः सुकृताय विद्या, चिन्ता परब्रह्म-विनिश्चयाय।

परोपकाराय वचांसि यस्य, वन्द्यस्त्रिलोकीतिलकः स एव॥

## **पञ्चमी-प्रथमा**

विषादप्यमृतं ग्राह्यम् अमेध्यादपि कांचनम्।

नीचादप्युत्तमा विद्या स्त्री-रत्नं दुष्कुलादपि॥

## **षष्ठी - प्रथमा**

हस्तस्य भूषणं दानं सत्यं कण्ठस्य भूषणम्।

श्रोत्रस्य भूषणं शास्त्रं भूषणैः किं प्रयोजनम्॥

## **सप्तमी**

उत्सवे व्यसने चैव दुर्भिक्षे राष्ट्रविप्लवे।

राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धवः॥

## **शब्दार्थ**

प्रज्ञा=बुद्धि, ज्ञान। धृतिः=धैर्य। प्रत्ययः=विश्वास। शीलम्=सदाचार, अच्छा स्वभाव। साक्षम्=साथ॥। सुधी=विद्वान्। व्यसनम्=किसी बात या कार्य का शौक, विपत्ति।

त्रिलोकीतिलकः=श्रेष्ठ (तीनों लोकों में अलङ्कार स्वरूप)। अमेध्यात्=अपवित्र स्थान से।

## अभ्यास

1. उच्चारण करे-

धृतिर्बलम् भूषयते , गोभिस्तुरगास्तुरङ्गैः , विनिश्चयाय, वन्द्यस्त्रिलोकीतिलकः, राष्ट्रविप्लवे।

2. एक वाक्य में उत्तर दें-

(क) दारिद्र्येण किं विनश्यति?

(ख) वन्द्यः कः भवति ?

(ग) श्रोत्रस्य भूषणं किं भवति ?

(घ) बान्धवः कः भवति ?

3. अधोलिखित पदों में लगी विभक्तियों को बताएँ।

पद            विभक्ति

दानाय - .....

वचांसि - .....

विषात् - .....

श्रोत्रस्य - .....

4. 'पुष्प' शब्द की अलग-अलग विभक्तियों के सात रूप दिए गए हैं। उचित रूप का चयन कर वाक्य पूरा करें-

पुष्पाणि, पुष्पैः, पुष्पेभ्यः, पुष्पाणाम्, पुष्पेषु, पुष्पम्, पुष्पात्।

(क) ..... विकसति।

(ख) ..... आनय।

(ग) ..... सुगन्धं प्रसरति।

(घ) ..... आपणं गच्छ।

(ङ) ..... मधु गृहीत्वा भ्रमरः उड्हयते।

(च) ..... माला आकर्षकं भवति।

(छ) ..... भ्रमराः गुञ्जन्ति।

5. संस्कृत में अनुवाद करें -

(क) दरिद्रता से बल नष्ट होता है।

(ख) गुण से रूप की शोभा होती है।

(ग) सोने को अपवित्र स्थान से भी ग्रहण कर लेना चाहिए।

(घ) हाथ की शोभा दान से होती है।

(ङ) परोपकारी पूज्य होता है।

6. हिन्दी में अनुवाद करें-

(क). शीलं भूषयते कुलम्।

(ख) समान-शील-व्यसनेषु सख्यम्।

(ग). विषादप्यमृतं ग्राह्यम्।

(घ) हस्तस्य भूषणं किम् अस्ति ?

(ङ) बान्धवः कः भवति ?

7. सही जोड़े बनाइए-

विद्याम्      तृतीया

मृगैः      सप्तमी

व्यसने      द्वितीया

दानाय      षष्ठी

कण्ठस्य      चतुर्थी

शिक्षण संकेत-

वाक्य-प्रयोगों द्वारा भी कारक और विभक्ति की पहचान कराएँ।

**श्रद्धावान् लभते ज्ञानम्।**